B.A Part-1 Paper-1 Topic-Intelligence and creativity: relationship. Dr. Prabha Shree (Guest Faculty, Deptt of Psychology, Vaishali Mahila College, Hajipur)

बुद्धि तथा सृजनात्मकता: संबंध

(Intelligence and creativity: relationship)

बुद्धि और सृजनात्मकता में एक गहरा संबंध है। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि कम बुद्धि वाले लोगों में सृजनात्मकता कम तथा अधिक बुद्धि वाले लोगों में सृजनात्मकता अधिक पायी जाती है। मनोवैज्ञानिकों ने प्रयोग में पाया कि 110 से 120 बुद्धि लब्धि (IQ)

तक सृजनात्मकता तथा बुद्धि में धनात्मक संबंध पाया गया। अतः इससे स्पष्ट हुआ कि बुद्धि लब्धि के बढ़ने के साथ ही सर्जनात्मकता भी बढ़ती है और बुद्धि लब्धि के घटने पर सृजनात्मकता के गुण घटते हैं, परंतु मनोवैज्ञानिकों ने देखा कि जब बुद्धि-लब्धि 120 से ऊपर यानी 130 तथा 140 हो जाती है तो सर्जनात्मकता गुण नहीं के बराबर होता है। गेजेल्स तथा जैक्सज (1962), वेरोन (1961) तथा रिपल तथा मे (1962) ने कई अध्ययन किये तथा निम्न तथ्यों को निष्कर्ष में निकाला-

1. सृजनात्मकता के लिए बुद्धि-लब्धि 100 से 120 तक होना अनिवार्य है, क्योंकि बुद्धि-लब्धि को इस सीमा से कम या अधिक होने पर सर्जनात्मकता का संबंध बुद्धि से कम हो होता जाता है।

2. बुद्धि प्राप्तांक के वितरण के ऊपरी छोर पर सर्जनात्मकता का संबंध बुद्धि से समाप्त हो जाता है अर्थात ऐसी स्थिति में सृजनात्मकता बुद्धि से स्वतंत्र हो जाती है।

मनोवैज्ञानिकों ने सृजनात्मकता के लिए एक विशेष देहली मॉडल (Threshold model) का निर्माण किया। इस मॉडल के अनुसार सर्जनात्मक कार्य करने के लिए बुद्धि का न्यूनतम स्तर आवश्यक है। प्रत्येक सृजनात्मक कार्य के लिए बुद्धि का न्यूनतम स्तर एक ही नहीं बल्कि अलग-अलग सर्जनात्मक कार्यों के लिए बुद्धि का न्यूनतम स्तर अलग-अलग होता है।